VSSC में ध्रुवीय सूर्यघड़ी

[स्रोत:द हिंदू](#)

हाल ही में [वकिरम साराभाई अंतरकिष केंद्र (VSSC)](#) द्वारा डजिाइन की गई एक ध्रुवीय [सूर्यघड़ी](#) को **केरल के थुंबा स्थति अंतरकिष संग्रहालय के 'रॉकेट गार्डन'** में प्रदर्शति किया गया है।

- यह सूर्यघड़ी एक **शैक्षणकि उपकरण** के रूप में कार्य करती है, जो [जटलि खगोलीय अवधारणाओं](#) को दृश्यात्मक रूप से आकर्षक ढंग से प्रदर्शति करती है।
- **प्रमुख वशिषताएँ:**
    - सूर्यघड़ी में **एनालेमेटकि सुधार** की सुवधि है, जसिसे यह [भारतीय मानक समय (IST)](#) और तारीख को **सटीक रूप से प्रदर्शति** कर सकती है।
        - पारंपरकि सूर्यघड़ी के वपिरीत, यह सूर्यघड़ी **सीधी घंटे की रेखाओं को पर उल्टे एनालेम्मा वक्र से बदल देती है,** जो पूरे वर्ष **स्थानीय सौर समय को स्वचालति रूप से औसत सौर समय में परविर्तति** कर देती है।
        - **एनालेम्मा सुधार, पृथ्वी के झुकाव और दीर्घवृत्तीय कक्षा के कारण,** एक वर्ष के दौरान आकाश में **सूर्य** द्वारा बनाए गए **आठ के आकार के पैटर्न** पर आधारति है।
- सूर्यघड़ी को **ध्रुवीय वन्यिास** के साथ डजिाइन किया गया है, जहाँ **सूर्यघड़ी प्लेट को [पृथ्वी के ध्रुवीय अक्ष](#) के समानांतर संरेखति** किया गया है और **थुंबा के अक्षांश के आधार पर** एक कील के आकार की संरचना से जोड़ा गया है।
- इस सूर्यघड़ी में [रोहणिी शृंखला के RH200 साउंडगि रॉकेट](#) का **1.6 फीट ऊँचा, 3D-मुद्रति लघु संस्करण** अंकति है।

[//](#)

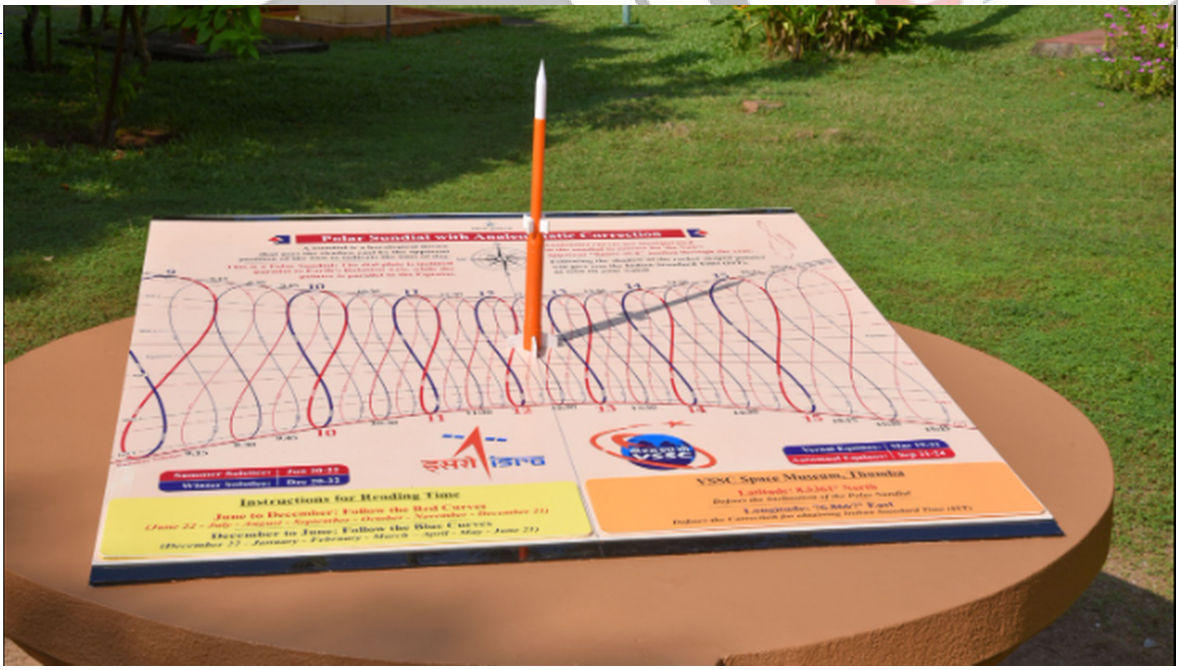

और पढ़ें: [वकिरम साराभाई शताब्दी कार्यक्रम](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/polar-sundial-at-vssc